...(व्यवधान)... The point is. *...(Interruptions)...* I know. *...(Interruptions)...* Mr. Bajwa, one minute. *...(Interruptions)...* The point is, during Zero Hour, you cannot make an allegation. He mentioned the name of the Chief Minister himself. The name of the Chief Minister will be expunged. I will go through the records. If there is any specific allegation, which is not permitted, that will be expunged. Beyond that, you can speak. *...(Interruptions)...* I have expunged. *...(Interruptions)...* नेम एक्सपंज हो गया है। **...(व्यवधान)...** आप लोग बैठिए। **...(व्यवधान)...** बैठिए। **...(व्यवधान)...**

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, you cannot expunge a CAG Report reference.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. I didn't say that. *...(Interruptions)...* I said, specific allegation. *...(Interruptions)...* I said, specific allegation. *...(Interruptions)...* You may continue. *...(Interruptions)...* I said, specific allegation; Zero Hour is not for making specific allegation. *...(Interruptions)...*

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: It has been found by the CAG... *...(Interruptions)...* Sir, this is an interesting fact. Please, give me a second, Sir. *...(Interruptions)...* Out of 3,319 registration numbers of vehicles scrutinized by the Audit of CAG, 3,232 vehicles, which, approximately, constitute 98 per cent, did not match with the computerized data of the Transport Authority. *...(Interruptions)...* Out of the remaining, it was found, most surprisingly, इन्होंने जो ट्रक्स के नम्बर दिए थे, वे स्कूटर और मोटरसाइकिल के निकले। **...(व्यवधान)...** स्कूटर और मोटरसाइकिल **...(व्यवधान)...**

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी **...(व्यवधान)...** मुझे बोलने दीजिए। **...(व्यवधान)...** बाजवा जी, अब आप बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over; time over. *...(Interruptions)...* No, no. What is this? *...(Interruptions)...* No, that is wrong. *...(Interruptions)...* What is this? *...(Interruptions)...* How did you repeat that? *...(Interruptions)...* How? *...(Interruptions)...* Okay. *...(Interruptions)...* All right. *...(Interruptions)...* Whatever name he has mentioned, making a specific allegation, is expunged. That cannot be reported also. *...(Interruptions)...*

Now, Dr. Chandrapal Singh Yadav. *...(Interruptions)...*

Crisis due to severe drought in the country

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं इस सदन के माध्यम से एक विशेष महत्व के प्रश्न की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

[डा. चन्द्रपाल सिंह यादव]

महोदय, आज पूरा देश सूखे से ग्रस्त है और लगभग 10 राज्यों में जबर्दस्त सूखा है। मान्यवर, सूखा एक दैवी प्रकोप है, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि भारत सरकार उसको राजनीतिक चश्मे से देखने का काम कर रही है। आज जो उत्तर प्रदेश में राजनैतिक ड्रामा किया गया, वह किसी से छुपा नहीं है। एक रेलगाड़ी लाकर झाँसी में खड़ी कर दी गई कि वह पानी लेकर बुंदेलखंड के लोगों को पिलाने के लिए जा रही है। श्रीमान्, एक हफ्ते से वह ट्रेन झाँसी में खड़ी है। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना यह हुई कि कल जब इंडियन एक्सप्रेस के एक पत्रकार वहाँ उसकी फोटो खींचने गए, तो करेंट लगने से, एक मिनट में वहीं, उसी वैगन के ऊपर, उनकी डेथ हो गई। श्रीमान् जी, हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने संज्ञान लेकर उनके आश्रितों को 20 लाख रुपये की मदद करने का काम किया, लेकिन केन्द्र की सरकार ने जो राजनैतिक ड्रामा प्रस्तुत किया, तो आज उनकी जो मौत हुई है, उसकी जिम्मेदारी उसको लेनी पड़ेगी।

मान्यवर, मैं आपसे इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में पूरे तरीके से लोगों की मदद करने का काम किया जा रहा है। हम टैंकर माँग रहे हैं, हम आर्थिक सहयोग माँग रहे हैं, लेकिन हमें आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा है। हमें केवल यह मिल रहा है कि एक रेलगाड़ी लाकर वहां खड़ी कर दी गई। वहीं, आज मध्य प्रदेश का जो एरिया है, तो मध्य प्रदेश के एरिया में, टीकमगढ़ में, तीन दिन में पानी मिल रहा है, छतरपुर में पाँच दिन में पानी मिल रहा है, लेकिन मैं एक बात आज इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों मध्य प्रदेश के एक माननीय सदस्य महोदय ने एक बात रखी थी कि बाँदा में एक व्यक्ति की मौत भूख के कारण हो गई। मान्यवर, मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि उसकी रिपोर्ट आ गई है कि उसकी मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। खाने का पूरा इंतजाम उसके पास था, पीने के पानी की पूरी व्यवस्था उसके पास थी। केवल हार्ट अटैक के कारण उसकी मौत हुई।

श्रीमान् जी, मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र की सरकार को प्रदेश की सरकारों की मदद करनी चाहिए, राजनैतिक चश्मे से इस बात को नहीं देखना चाहिए। आज अगर मध्य प्रदेश के क्षेत्र में हालात खराब हैं, तो वह मध्य प्रदेश की सरकार की जिम्मेदारी है। आज उत्तर प्रदेश में चूंकि राजनैतिक माहौल गरमाया हुआ है, इसलिए राजनीति करने के लिए यह ट्रेन भेजी गई है। ...**(व्यवधान)**... आज मध्य प्रदेश के क्षेत्र में 40-50 किसान आत्महत्या कर रहे हैं, लेकिन उनकी मदद नहीं की जा रही है, उनका सवाल नहीं उठाया जा रहा है।

मान्यवर, मैं सदन के माध्यम से केन्द्र की सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि अगर वास्तव में सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों की मदद करना चाहते हैं, तो उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी ने 10,600 करोड़ रुपये की जो माँग की है, वह हमारा अधिकार है। हमने, उत्तर प्रदेश के लोगों ने टैक्स दिया है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. *...(Interruptions)...*

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री संजीव कुमार (झारखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री राज बब्बर (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री सालिम अन्सारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

† **جناب جاوید علی خان (اتّر پردیش)** : مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

डा. तज़ीन फातमा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

† **ڈاکٹر تزئین فاطمہ (اتّر پردیش)** : مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री रीताब्रता बैनर्जी (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्रीमती झरना दास वैद्य (त्रिपुरा): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

Need to protect Odia language in various States

SHRI BAISHNAB PARIDA (Odisha): Sir, I want to draw the attention of the entire House, through you, to a very serious problem in India concerning the linguistic minorities living in different States of our Union. India consists of States formed on linguistic basis. But no State in India is unilingual. Of course, there exists a major lingua-franca in each and every State. There are linguistic minorities in each State, but it is a matter of great regret that all the States are not taking care for preservation, protection and promotion of their culture and language. This is a problem concerning all the Indian States. There are linguistic minorities living in different States. So far as the Odias are concerned, there are

†Transliteration in Urdu script.